Shri Sarasvati Ashtakam

श्रीसरस्वत्यष्टकम्

Document Information

Text title : Shri Sarasvati Ashtakam

File name : sarasvatyaShTakam4.itx

Category : devii, aShTaka, sarasvatI

Location : doc_devii

Proofread by : Paresh Panditrao

Description/comments : Ganga Mahatmya And Stuti Ratnavali By Swami Umeshvaranand Tirth

Latest update : July 8, 2023

Send corrections to : sanskrit@cheerful.com

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

Please help to maintain respect for volunteer spirit.

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

July 8, 2023

sanskritdocuments.org

श्रीसरस्वत्यष्टकम्

श्रीशारदाम्ब विमलाम्बरशुक्लवर्णां
वीणाधरां सुधवलां कलहंस रूढाम् ।
ज्योतिर्मयं स्फटिकहारधरां सुकण्ठीं
हस्तेक पुस्तकधरां प्रणमामिवाणीम् ॥ १॥

घोरान्धकारहृदि मे ज्वलयन् सुज्योतिं
ज्ञानं प्रदाय सततं विपुलाञ्चनित्यम् ।
मातः प्रदातु निजभक्त जनाय मुक्तिं
त्रायस्व मां भगवती भवताप तप्तम् ॥ २॥

सरस्वतीं शुक्ल सुहंसवाहिनीं
श्वेताम्बरां श्वेत सरोज वासिनीम् ।
श्वेतां सुदिव्यां स्फटिकारव्यमालिनीं
सुधामयीं भारतीभास्वतीं भजे ॥ ३॥

आनन्ददात्रीं सुप्रकाशदात्रीं
सौभाग्यदात्रीं जननीं सुपात्रीम् ।
सर्वेषु शास्त्रेषु सुबोधदात्रीं
श्रीभारतीं त्वां प्रणमामिनित्यम् ॥ ४॥

संसार सागर समुत्तरणाय भक्त्या
ध्यायन्तित्वां सुकवयोहृदिभावयुक्ताः ।
सम्प्राप्यज्ञानमचलं तवसुप्रसादात्
संसारजं सकलदुःखतरन्तिपारम् ॥ ५॥

समुज्ज्वलां दिव्य विभूषिताम्बरां
संसार दुःख दहनां सततं स्मरामि ।
त्वत्पादभक्त्या सुलभं सुदुर्लभं
सर्वत्रस्वानन्द सुधाम्पिवाम्यहम् ॥ ६॥

ज्ञानामृताब्धि रससारमयीं सुनेत्रीं
  शुक्लाम्बरां कनकभूषणभूषिताङ्गीम् ।
वीणां सुपुस्तकधरां स्फटिकारव्यमालां
  विद्यान्नमामि सततमभयां पराम्वाम् ॥ ७॥

सरस्वत्याष्टकं दिव्यं भक्तिभाव समन्वितम् ।
पठनात् शारदा नित्यं ददातिविमलामति ॥ ८॥

इति श्री स्वामी उमेश्वरानन्दतीर्थविरचितं सरस्वत्याष्टकं सम्पूर्णम् ।

Proofread by Paresh Panditrao

Shri Sarasvati Ashtakam

pdf was typeset on July 8, 2023

Please send corrections to *sanskrit@cheerful.com*